RNI NO HARHIN/ 2017/ 72144

नवंबर - दिसंबर - 2025

यात्रा आमंत्रण

अंक 18

भारत की एकमात्र हिंदी पर्यटन पत्रिका

मूल्य 90 रुपये

विएतनाम दिल से

The Wilson: Inside India's most lavish hotel

धन्नासेठ के हवाले आसमान – *Indigo* संकट ने फिर साबित किया

"यात्रा आमंत्रण" की पत्रकारिता हमेशा दो क़दम आगे रही है। जो हमने कहा था, वही आज मैदान में खड़ा दिख रहा है— कॉर्पोरेट दख़ल, शासन की मौन भूमिका और एक बार फिर सबसे ज्यादा परेशान वही... जो हवाई यात्रा के लिए टिकट खरीदता है।

पिछले अंक में "यात्रा आमंत्रण" ने साफ़ कहा था — धन्नासेठ के हवाले विमान उद्योग।

और आज Indigo संकट हो या पायलट ट्रेनिंग क्षेत्र में अचानक हुए कॉर्पोरेट निवेश — तस्वीर और भी साफ़ होती जा रही है।

भले ही Adani द्वारा Flight Simulation Technique Centre में लिए गए 75% हिस्सेदारी और Indigo के हालिया ऑपरेशनल संकट का कोई "सीधा" संबंध दिखाई न दे — दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू जैसे लगते हैं:

एक तरफ़ कॉर्पोरेट का बढ़ता वर्चस्व, दूसरी ओर व्यवस्था की असहायता।

भारत के पास अब अपनी कोई सरकारी एयरलाइन नहीं, और निजी क्षेत्र का पूरा ढांचा कुछ बड़े समूहों की आर्थिक पकड़ में सिमटता जा रहा है। नियम बनते हैं, बदलते हैं, टलते हैं — और हर बार सबसे ज्यादा मार आम यात्री पर ही पड़ती है।

***Indigo* संकट को एक लाइन में कहें:**

"जब पायलट कम हों, नियम कड़े हों, प्रबंधन कमजोर हो और बाज़ार किसी एक के इशारों पर सिमटा हो — तो उड़ानें नहीं, सिस्टम गिरता है।"

- ***DGCA* के *2025* के वार्षिक ऑडिट में, भारत की विभिन्न एयरलाइनों में कुल *263* सुरक्षा-संबंधित खामियाँ पाई गईं, जिसमें *IndiGo* के *23*, *Air India* के *51* सहित कई एयरलाइनों के नाम सामने आए।**
- **साथ ही, विमान तकनीकी दोष की संख्या में भी इजाफा हुआ है। *2025* की पहली—मध्य वर्ष तक ही — *183* ऐसे मामलों की रिपोर्ट सरकार ने सदन में दी है।**

संपादक की कलम से

वियतनाम—एक ऐसा देश जिसने लगभग बीस साल तक युद्ध का बोझ झेला। उस लंबे संघर्ष की छाप आज भी कई तस्वीरों और स्मारकों में दिखाई देती है। मैं जिस तस्वीर के साथ खड़ा हूँ, वह दर्शाती है कि युद्ध ने इस देश को कितना तोड़ा था—पर आज वही वियतनाम एक नई रफ़्तार, नई ऊर्जा, और नई पहचान के साथ खड़ा है। विनफास्ट जैसी आधुनिक ऑटो कंपनियों ने इस देश की औद्योगिक क्षमता को नई उड़ान दी है, और हो ची मिन्ह सिटी नवाचार, AI, फिनटेक और ई-कॉमर्स का उभरता हुआ दक्षिण-पूर्व एशियाई केंद्र बन चुका है। 17,000 वर्गमीटर में फैला SIHUB आज स्टार्ट-अप, वेंचर कैपिटल और इनक्यूबेशन को एक ही छत के नीचे लाकर वियतनाम के तकनीकी भविष्य की नींव रख रहा है।

देश की प्रति व्यक्ति जीडीपी 4,300–4,500 डॉलर के स्तर पर पहुँच चुकी है, जो इसकी आर्थिक परिपक्वता और तेज़ विकास दर को स्पष्ट करती है, और भारत की तुलना में लगभग दोगुनी है। हैरानी की बात यह है कि विकास की यह रफ़्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं; वियतनाम के गाँव भी आधुनिक बुनियादी ढाँचे और शिक्षा-संस्कृति से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चीन जैसी महाशक्ति के पड़ोस में होते हुए भी वियतनाम ने एक आत्मनिर्भर, अनुशासित और नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था की अलग पहचान बनाई है। इस यात्रा आमंत्रण में मैं उसी बदलते वियतनाम की झलक और अपने अनुभव आपके साथ साझा कर रहा हूँ—एक ऐसा वियतनाम जो अतीत के घावों से उभरकर भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है।

संपादकीय टीम

संपादक
ग्राफ़िक डिज़ाइनर
बिस्वदीप रॉयचौधरी

सलाहकार
गौर कंजीलाल

वरिष्ठ संवाददाता
सुहासिनी साकिर

उत्तरप्रदेश ब्यूरो प्रमुख
प्रताप सिंह

सांगली संवाददाता
तेजस संगार

दिल्ली टीम
कपिल अत्री
दीपक शर्मा
शंकर सिंह कोरंगा
मोहन जोशी
भावना अत्री

यूरोप संवाददाता
चेतन वाधेर

सोशल मीडिया पोस्ट प्रोडक्शन
विकांत रंजन

मुंबई टीम
नरेंद्र पाटिल / नितिन कालजे

पता:
189 / 10, सेक्टर एक, चर्कोप,
कांदिवली (पश्चिम), मुंबई

हमारा अनुसरण करें:
@yatramantran

हमारी वेब साइट पर जाएं:
www.willindiachange.org
www.yatramantran.com

हमारे यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइबकरें:
यात्रा आमंत्रण

हलॉन्ग बे

समुद्र, शांति और सतत् पर्यटन का आश्चर्यलोक

हलॉन्ग बे में पर्यावरण प्रबंधन इतना मज़बूत है कि ·100% टूरिस्ट नावों में ऑयल-वॉटर सेपरेटर लगे हैं और तटीय क्षेत्रों में 48% जल शुद्धिकरण क्षमता विकसित की जा चुकी है. ·नई क्रूज़ में मानक-आधारित वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम अनिवार्य है

भारत में हम अक्सर पर्यटन को केवल 'स्थलदर्शन' तक सीमित देखते हैं, लेकिन वियतनामने हलॉन्ग बे को एक जीवित, विकसित और सतत् पर्यटन मॉडल में बदल दिया है—और यात्रा आमंत्रण जैसे पाठकों के लिए यही सीख सबसे महत्वपूर्ण होती है।
बस जैसे ही शहरके किनारे पहुँची, सामने गहरे नीले समुद्र की झलक दिखाई दी।मैं दोपहर में पहुँचा था—क्रूज़ के लिए आदर्शसमय सुबह होता है—इसलिए मैं उस प्रसिद्ध लक्ज़री क्रूज़ अनुभव का हिस्सा नहीं बन सका। लेकिन हलॉन्गबे की खूबसूरती बस क्रूज़ पर निर्भर नहीं है। यहाँ हर कदम पर, हर मोड़ पर, हर हवा के झोंके में एक कहानी बसी है।

मैं जैसे ही तट की तरफ चलने लगा, मेरे कदम खुद-ब-खुद धीमे पड़ गए। बीच पर एक भी प्लास्टिक कचरा नहीं। भारत में तो यह नामुमकिन है , हम बस स्वच्छ भारत की बात ही करते रहते है । बाद में पता चला कि यहाँ 2019 में एक सख्त अभियान शुरू किया गया—
'Ha Long Bay Without Plastic Waste'
जिसने पर्यटन क्षेत्रों में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को 90% तक कम कर दिया।
एक समुद्री धरोहर को बचाने कीयह गंभीरता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

2024 के पर्यटन विभाग के अनुसार: · वियतनाम की GDP में पर्यटन का योगदान लगभग 7%, जिसमें Ha Long Bay का बड़ा हिस्सा है।
किंवदंती के अनुसार—एक विशाल ड्रैगन समुद्र में उतरा था, और अपनी पूँछ से घाटियों और खाड़ियों का निर्माण किया। जब ड्रैगन समुद्र में समा गया तो पानी ने घाटियों को भर दिया और केवल चूना-पत्थर की चोटियाँ बाहर रह गईं। आज इन्हीं हजारों उभरी हुई द्वीपों और जल-मार्गों का सम्मिलित दृश्य "Ha Long"—यानी 'Descending Dragon' का रूप लेता है।

हलॉन्ग शहर की सड़कों पर चलते हुए अक्सर लगता है कि आप दक्षिण एशिया में नहीं, बल्कि किसी यूरोपीय समुद्री शहर में हैं—
·चौड़ी, साफ़-सुथरी सड़कें
·उत्कृष्ट समुद्री जल प्रबंधन
·अनुशासित यातायात
·समुद्र के किनारे बने आधुनिक होटल और कैफे
·और हर तरफ शांति, यह शांति पर्यटन को सिर्फ एक 'मनोरंजन' नहीं बल्कि एक 'अनुभव' बना देती है।

Quang Ninh प्रांत (जहाँ Ha Long Bay स्थित है) ने 2024 में:
·16.7 मिलियन पर्यटक,
·3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय यात्री,
·40.1 ट्रिलियन VND (लगभग ₹13,400 करोड़) का पर्यटन राजस्व हासिल किया।
·क्रूज़ पर्यटन हर वर्ष 15–20% की दर से बढ़ रहा है
·इस वर्ष 70 क्रूज़ शिप और 90,000 यात्रियों की संभावना है

320 मिलियन साल पुरानी चट्टानों की दुनिया में सफ़र

घूमने के लिए सबसे बेहरतीन जगह , Tuan Chau Port से प्रस्थान

- स्टोन पार्क – लगभग 320 मिलियन वर्ष पुरानी भूवैज्ञानिक संरचनाएँ
- दाऊ गो द्वीप (Dau Go Island), सुआंग रॉन्ग द्वीप (Xuong Rong Island)
- वुंग विएंग नामक प्राचीन मछुआरा गाँव — जिसकी उम्र लगभग 1000 वर्ष मानी जाती है

हो ची मिन्ह सिटी

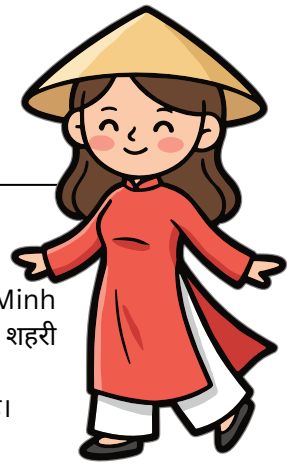

युद्ध की राख से उठती नई चमक

पिछले 50 वर्षों में दुनिया के कुछ ही शहर ऐसेहैं जिन्होंने युद्ध की धूल से उठकर आधुनिकता की ऐसी दौड़ लगाई हो जैसी Ho Chi Minh City (HCMC) ने लगाई है। 1975 के युद्ध-समापन के बाद यह शहर जिस तरह से बदला, बढ़ा और फिर से खड़ा हुआ — वह दुनिया के शहरी पुनर्निर्माण के सबसे सशक्त उदाहरणों में एक है।
मेरी हाल की यात्रा में मैंने महसूस किया कि यह शहर सिर्फ इतिहास को संरक्षित नहीं करता, बल्कि भविष्य की धड़कनों को भी तेज़ करता है।

युद्ध संग्रहालय – एक ऐसा सच जिसे अनदेखा करना असंभव है

हो ची मिन्ह सिटी का वॉर रेम्नेंट्स म्यूज़ियम दुनिया के उन संग्रहालयों मेंसे है जहाँ इतिहास आपको पकड़कर झकझोर देता है। मैंने जब यहाँ की तस्वीरें, दस्तावेज़ और Agent Orange पीड़ितों की कहानियाँ देखीं, तो यह सिर्फ एक संग्रहालय नहीं लगा — यह मानवता के दर्द का दस्तावेज़ लगा।
यहाँ अमेरिकी बम बारी, रासायनिक हमलों और नागरिकों के जीवन पर पड़े प्रभावों की विस्तार से प्रस्तुति है।खास बात यह है कि दुनिया भर के लोग — विशेषकर अमेरिकी नागरिक — यहाँ आते हैंऔर साफ़ देख पाते हैं कि एक राजनीतिक निर्णय किस तरह एक छोटे देश पर भारी पड़ गया।
यह युद्ध आज भी खत्म नहीं हुआ — संग्रहालय में आज भी पीड़ित बच्चों, पर्यावरण और परिवारों की कहानियाँ दिखती हैं। यह एक चलता हुआ सबक है कि युद्ध पीढ़ियों को प्रभावित करताहै ।

इंडिपेंडेंस पैलेस – वियतनाम का टाइम -ट्रैवल

रीयूनिफ़िकेशन / इंडिपेंडेंस पैलेस में घूमना ऐसा था जैसे किसी इतिहास पुस्तक के अंदर प्रवेश कर गया हूँ।
यहाँ के ओवल रूम, राष्ट्रपति का ऑफिस, युद्ध-काल के निर्णय-कक्ष, संचार-कक्ष और भूमिगत बंकर... हर चीज़ बताती है कि युद्ध सिर्फ सीमा पर नहीं लड़ा जाता — वह निर्णय लेने वाले कमरों में भी लड़ा जाता है।
बंकर में जाकर वह माहौल महसूस होता है जहाँ संकट के समय राष्ट्रपति और उनका पूरा प्रशासन छिपकर रणनीति बनाता था। यह स्थान इतिहास-छात्रों के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला जैसा है।

पूर्व में सैगॉन के नाम से प्रसिद्ध यह शहर, 2 जुलाई 1976 को वियतनाम के एकजुटीकरण के बाद उत्तर वियतनाम के अध्यक्ष Ho Chi Minh के सम्मान में 'हो ची मिन्ह सिटी' नाम अपनाया गया।

19वीं सदी के मध्य में फ्रांसीसी शासन के दौरान सैगॉन को 'ओरिएंट का मोती' कहा जाता था, क्योंकि यह इंडो-चाइना का सबसे आधुनिक, सुनियोजित और व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर बन चुका था। चौड़ी सड़कों, ट्राम सिस्टम और यूरोपीय शैली की इमारतों ने इसे एशिया के सबसे आकर्षक औपनिवेशिक शहरों में शामिल कर दिया था।

आज *HCMC* वियतनाम की आर्थिक राजधानी, टेक्नोलॉजी हब, लॉजिस्टिक्स सेंटर और स्टार्टअप पॉवर हाउस है।
कुछ महत्वपूर्ण तथ्य जो मेरी यात्रा में सामने आए:
1. अर्थव्यवस्था और पर्यटन
·*Ho Chi Minh City* का पर्यटन-राजस्व हाल के वर्षोंमें *VND 160–190* ट्रिलियन *(*भारतीय मुद्रा में *35,000–40,000* करोड़ रुपए के बराबर*)* तक पहुँच गया।
·*2024* मेंशहर में *40–45* लाख विदेशी पर्यटक आए।
·एशिया के सबसे तेज़ उभरतेहुए पर्यटन बाजारों में यह शहर लगातार टॉप *10* में शामिल रहता है।

नया हो ची मिन्ह सिटी—मेट्रो, डिजिटलाइजेशन ,और वाई-फाई का कमाल

. परिवहन और दो-पहिया संस्कृति
·शहरमें 75 लाख से अधिक दो-पहिया वाहन हैं — यानी लगभग हर परिवार के पास बाइक है।
·यह केवल यातायात का साधन नहीं; यह जीवनशैली है। 3. बाइक-टैक्सी: युवाओं की जीवनरेखा, GrabBike, Be, Gojek जैसी सेवाओं ने ·हजारों युवाओं को रोजगार दिया,

कॉफी संस्कृति — हो ची मिन्ह सिटी की आत्मा
मुझे HCMC की कॉफी संस्कृति ने गहराई से प्रभावित किया।
यह सिर्फ पेय नहीं, यह एक सांस्कृतिक स्थान है। ·विशाल कॉफी चेन/ · आर्टिस्टिक कैफे ·युवाउद्यमियों के वर्कस्पेस/ ·बिज़नेस मीटिंगों का केंद्र
यह शहर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कॉफी निर्यातक देश होने का गौरव अपने हर कप में दिखाता है।

आप यह जानकर सचमुच चकित रह जाएंगे कि हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय भोजन इतना लोकप्रिय है कि यहाँ 80 से भी अधिक भारतीय रेस्तरां खुल चुके हैं।

Saigon River — व्यापार की रीढ़ और पर्यटन का सितारा
Saigon River एक तरफ बड़े कंटेनर पोर्ट का घर है — जो वियतनाम के निर्यात का मुख्य आधार है।
दूसरी तरफ शाम के क्रूज़, संगीत और डिनर — यह नदी शहर के जीवन में दोहरी भूमिका निभाती है।
मेरे लिए यह अनुभव HCMC की दो दुनिया को एक साथ देखने जैसा था — व्यापार और पर्यटन।

खरीदारी और मार्केट संस्कृति
Ben Thanh Market औरअन्य सेंट्रल मार्केट
·स्थानीयहस्तकला,
·सूखेफल,
·कॉफी,
·सिल्क,
·फैशन
के लिए बेहतरीन जगहहैं।

डेंट्री रेनफॉरेस्ट

13.5 करोड़ साल पुराना हरा खज़ाना

धरती पर बहुत सी जगहें खूबसूरत हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया का डेंट्री रेनफॉरेस्ट (Daintree Rainforest) उनमेंसबसे अलग है। विज्ञानके अनुसार यह जंगल 135 मिलियन वर्ष (13.5 करोड़ साल) पुराना है — यानी डायनासोरके जमाने से भी पहलेयह हरा संसार मौजूदथा। इसे दुनिया कासबसे पुराना जीवित ट्रॉपिकल रेनफॉरेस्ट कहा जाता है।

यह जंगल उत्तर-पूर्वीऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड प्रांतमें लगभग 1,200 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट "ट्रॉपिक्स ऑफ़ क्वींसलैंड" का हिस्सा है।

इतना अनोखा क्यों है?

1. धरती का जीवित म्यूज़ियम

यह जंगल आज भी वैसा ही है जैसा करोड़ों साल पहले था।यहां मिलने वाले पौधे और पेड़ कुछ वैसे ही हैं जैसे प्राचीन काल में थे। कई वनस्पतियां यहां की ही मूल प्रजातियां हैं, जो दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलतीं।

2. दुर्लभ वन्यजीवों का घर

डेंट्री में ऐसे जीव मिलते हैं जो दुनिया में सिर्फ यहीं देखने को मिलते हैं, जैसे—

·कैसोवेरी (Cassowary) – दुनिया के सबसे खतरनाक और बड़े पक्षियों में से एक

·ट्रीकंगारू

·स्पॉटेडटेल क्वॉल

·दुर्लभतितलियाँ और कीटों की प्रजातियाँ

यहां के जीव इतने पुराने हैं कि इन्हें धरती के "लिविंग फ़ॉसिल" भी कहा जाता है।

पर्यटकों के लिए क्या खास है?

1. प्रकृति के बीच रोमांचक वॉक ट्रेल्स

डेंट्री में कई खूबसूरतट्रेल्स बने हैं जहाँआप

·40–50 मीटर ऊँचे पेड़ों के बीच चल सकते हैं,

·प्राकृतिक नदियों की आवाज़ सुन सकते हैं,

·अनोखे पक्षियों और जीवों को देख सकते हैं।

साल के कुछ समय में आप नदियों के किनारे मगरमच्छों को सुरक्षित दूरीसे देखने का अनुभव भी ले सकते हैं।

2. आदिवासी संस्कृति से जुड़ने का मौका

यह क्षेत्र कुकू-यालांजी (Kuku Yalanji)नामक आदिवासी समुदाय का घर है।उनके साथ नेचर वॉक करने पर वे आपको बताएँगे कि कैसे उनके पूर्वज इस जंगल कोअपना डॉक्टर, शिक्षक और संरक्षक मानते थे।

3. समुद्र, जंगल और पहाड़ — एक ही जगह

डेंट्री की सबसे बड़ी खासियत यह है कि दुनिया की दो वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स एक-दूसरे से मिलती हैं:

·एक तरफ डेंट्री का हरा जंगल

·दूसरी तरफ ग्रेट बैरियर रीफ़ का नीला समुद्री संसार

यह नज़ारा दुनिया में कहीं और नहीं मिलता।

स्नो ड्रैगन

बर्फ़ीली चीन में चलती एक ट्रेन, जिसने स्की टूरिज़्म की कहानी ही बदल दी

चीन के उत्तर-पूर्व में इस सर्दी एक नई हलचल है। बर्फ़ से ढके पहाड़ों के बीच एक चमकदार सफेद ट्रेन दौड़ रही है–नाम है Snow Dragon. और यह सिर्फ़ एक ट्रेन नहीं; यह चीन की स्की इंडस्ट्री का भविष्य लेकर चल रही है।
कुछ साल पहले तक चांगचुन से बैदाहू स्की रिज़ॉर्ट पहुँचने का मतलब था तीन घंटे की थकाने वाली सड़क यात्रा–वह भी इस उम्मीद में कि तेज़ बर्फ़बारी में रास्ता बंद न हो जाए। लेकिन अब यह दूरी सिर्फ़ 50 मिनट की हाई-स्पीड फुसफुसाहट भर रह गई है। कई चीनी परिवार अब सुबह घर से निकलते हैं, पूरे दिन स्की करते हैं और शाम को डिनर अपनी ही डाइनिंग टेबल पर खाते हैं। चीनके टूरिज़्म गाइड कहते हैं, "सिर्फ़ दूरी नहीं घटी... लोगों का मनोविज्ञान बदल गया है।"

क्यों Snow Dragon इतनी बड़ी खबर है?

इसट्रेन को समझने केलिए पहले यह जानना ज़रूरी है कि उत्तरी चीन की सर्दियाँ कैसी होती हैं। कुछ इलाक़ों में तापमान -40°C तक पहुंच जाता है। ऐसे मौसम में सड़कें घंटे में कई बार बर्फ़ से ढक जाती हैं, ट्रक फँस जातेहैं, और कई बार रिसॉर्ट तक पहुँच ही नहीं पाते। ऐसे मौसम में 350 km/h की रफ़्तार से ट्रेन चलाना आसान नहीं होता, लेकिन चीन ने यह संभव कर दिखाया है। Snow Dragon की बोगियाँ हवाई जहाज़ की तरह प्रेशर-सील्ड हैं, दरवाज़ों के नीचे एंटी-आइसिंग सिस्टम है, और पूरे ट्रैक पर ऐसे-ऐसे उपकरण लगे हैं जो बर्फ़ को बनने ही नहीं देते। ट्रेन के हर सफ़र से पहले पाँच मैकेनिक 15 मिनट की जांच करते हैं–थर्मल कैमरों के साथ।
यह सब सुनकर लगता है जैसे हम किसी आर्कटिक रिसर्च स्टेशन की बात कर रहे हों, लेकिन यह एक पब्लिक हाई-स्पीड ट्रेन है, जो हज़ारों यात्रियों को रोज़ाना ले जा रही है।

ट्रेन के अंदर जैसे कोई छोटा सा स्की-लॉज
Snow Dragon में चढ़ने पर लगता ही नहीं कि आप ट्रेन में हैं।
लंबी-लंबी स्की और स्नोबोर्ड रखने के लिए अलग रैक बने हैं, सीटें सामान्य हाई-स्पीड ट्रेनों से चौड़ी हैं, और इंटीरियर में लकड़ी और गर्म रंगों का इस्तेमाल किया गया है–बिल्कुल पहाड़ी लॉज जैसा एहसास।
मेल्टिंगस्नो के लिए ट्रे, हर सीट पर पावरसॉकेट, और पहाड़ी इलाक़ोंमें भी शानदार 5G वाई-फाई।
ऐसा लगता है कि चीन अपने स्कीयरों को सिर्फ समय की बचत नहीं दे रहा–एकपूरा अनुभव दे रहा है।

पटरियों के नीचे छिपी एक मेगास्टोरी

इसप्रोजेक्ट का सबसे दिलचस्पहिस्सा देखने में नहीं, बल्किज़मीन के नीचे छिपाहुआ है। Snow Dragon की 180 किलोमीटर की इस लाइनका 77% हिस्सा या तो टनल है या वाया डक्ट। कहीं 50 मीटर ऊँचे पुल, तो कहीं कठोर ग्रेनाइट पहाड़ियों के नीचे सुरंगें।
निर्माण टीमें -35°C की सर्दी में "लो-टेम्परेचर कंक्रीट" का इस्तेमाल कर रही थीं, जो -15°C में जम जाता है।
इस लाइन को बनाते समय चीन को इतनी चुनौती मिली कि इंजीनियर कहते हैं – "यह सिर्फ़ रेलवे लाइन नहीं, बर्फ़ पर बनी इंजीनियरिंग की एक कविता है।"

170 मिलियन से 200 मिलियन – टूरिज़्म का नया उछाल

Jilin प्रांतमें इस सर्दी लगभग170 मिलियन लोग पहुँचे–ज़्यादातर घरेलू पर्यटक। Snow Dragon के चलने के बाद विशेषज्ञ मानते हैं कि यहसंख्या अगले तीन वर्षोंमें 200 मिलियन केपार जाएगी।
बैदाहू, वांके लेक सोंगहुआ और वांडा चांगबाइशान जैसे बड़े रिसॉर्टनई ढलानें, नई गोंडोला लाइनेंऔर अंतरराष्ट्रीय होटल चेन के लाजवाब प्रॉपर्टी जोड़ रहे हैं।
कई रिसॉर्ट मैनेजर मानते हैं कि Snow Dragon केआने के बाद स्कीटूरिज़्म की दिशा बदलगई है।
एकअधिकारी ने मज़ाक मेंकहा,
"अब हमें बर्फ़ की चिंता नहीं होती... हमें ट्रेन के टाइम-टेबल की चिंता होती है।"

एशिया की स्की दुनिया में चीन का उदय

एक दशक पहले तक चीनस्की टूरिज़्म में जापान औरदक्षिण कोरिया से बहुत पीछे था।
आज:
·देशभरमें 800 से अधिक स्की रिसॉर्ट
·Harbin मेंदुनिया का सबसे बड़ाइन डोर स्की केंद्र
·और अब Snow Dragon जैसी हाई-स्पीडलिंक
इन सबने मिलकर चीन को एशिया का नया स्की सुपरपावर बना दिया है।
और Snow Dragon इस कहानी का सबसे चमकदार प्रतीक है–एक ऐसीट्रेन जो बर्फ़ तोड़कर नहीं, बल्कि बर्फ़ पर फिसलती हुई एक नए युग की शुरुआत कर रही है।

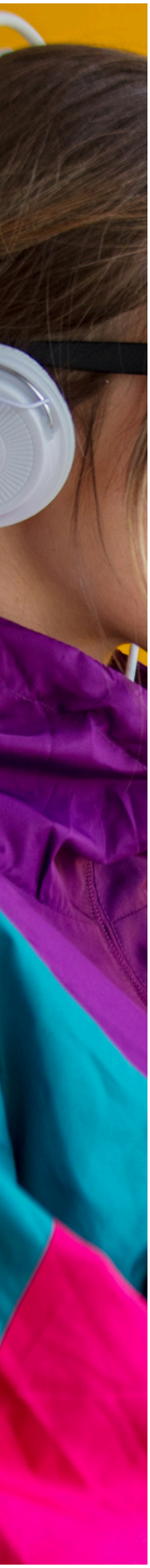

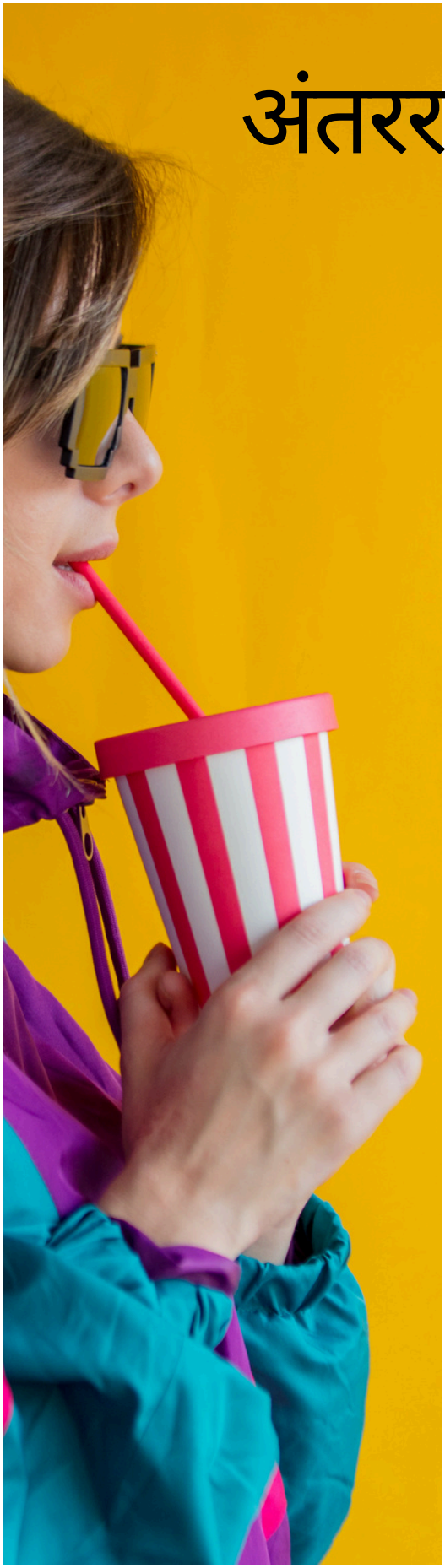

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में उछाल

2025 के पहले नौ महीनों में दुनिया ने फिर पकड़ी रफ़्तार

UN Tourism के सचिव-जनरल ज़ुराबपोलोलिकाशविली कहते हैं किइस पूरे दौर में “अंतरराष्ट्रीय पर्यटन ने मजबूत वृद्धि दिखाई है—चाहे वह यात्रियों की संख्या हो या पर्यटन से हुई कमाई।”

इस वर्ष अफ्रीका नेसबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उपलब्धआंकड़ों के मुताबिक महाद्वीप ने 10% की शानदार वृद्धि दर्जकी, जिसमें उत्तरीअफ्रीकाऔर सहारा दक्षिणअफ्रीका—दोनों ने 10% से भी अधिक बढ़त दिखाई।

यूरोप, जो दुनिया का सबसे बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन है, वहाँ भी गर्मियों की छुट्टियों ने जबरदस्त भीड़ खींची। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच 62 करोड़ से अधिक (625 मिलियन) यात्री यूरोप पहुँचे—जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4% ज्यादा है। पश्चिमी यूरोप, दक्षिणी भूमध्यसागरीय क्षेत्र और मध्य-पूर्वी यूरोप ने अच्छा प्रदर्शन किया, हालांकि उत्तरी यूरोप की रफ्तार थोड़ी धीमी रही।

कौन से देश आगे रहे?

कुछ देशों ने तो अद्भुत प्रदर्शन किया—

- ब्राज़ील: 45% की भारी वृद्धि
- वियतनाम और मिस्र: 21%
- इथियोपिया और जापान: 18%
- दक्षिण अफ्रीका: 17%
- मोरक्को, श्रीलंका, मंगोलिया: 14–16%

अमेरिका और एशिया की तस्वीर

अमेरिका में यह वृद्धि औसतन 2% रही। दक्षिण अमेरिका इस क्षेत्र की स्टार परफ़ॉर्मर बनी, जहाँ 9% की वृद्धि दर्ज की गई।दूसरी तरफ़ उत्तर अमेरिका (अमेरिका और कनाडा) में हल्की गिरावट नोट की गई।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र भी तेज़ी से वापसी कर रहे हैं।साल के पहले नौ महीनों में यहाँ 8% की बढ़त देखी गई और यह क्षेत्र अब अपनी महामारी-पूर्व स्थिति के करीब पहुँच रहा है। उत्तर-पूर्व एशिया ने तो 17% की उछाल दिखाई, हालांकि अभी भी 2019 की तुलना में कुछ पीछे है।

हवाई सफर और होटल सेक्टर में भी समान रफ्तार

IATA केअनुसार जनवरी से सितंबर 2025 के बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों कीसंख्या 7% बढ़ी, जबकि एयरलाइन क्षमता 6% बढ़ाईगई। होटल सेक्टर भीपीछे नहीं रहा—सितंबर 2025 में दुनिया भर के होटलों की औसत ओक्यूपेंसी 68% रही, जो पिछले साल के स्तर के बराबर है।

पर्यटकों का खर्च भी बढ़ा

सिर्फ़यात्रियों की संख्या ही नहीं, बल्कि पर्यटकों का खर्च भी कई देशों में तेज़ी सेबढ़ा है।

जापान ने 21%, मिस्रने 18%, ब्राज़ीलने 12%, मोरक्कोऔर मंगोलिया ने 15% अधिक पर्यटन आय दर्ज की।

अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े बाजारों में भी विदेश यात्रा पर खर्च बढ़ा है।

2025 का लक्ष्य लगभग हासिल

UN Tourism ने इस साल की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि 2025 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन 3% से 5% केबीच बढ़ेगा। सितंबर तक के नतीजेबताते हैं कि दुनिया उसी राह पर चल रही है। हालांकि बढ़ती यात्रा लागत और बदलती वैश्विक परिस्थितियाँ आगे चुनौती बन सकती हैं, लेकिन ट्रैवल की दुनिया अभी भी रफ्तार में है।

हनोई: एक शांत राजधानी

एक अनकहा अनुभव

हनोई मेरे लिए केवलवियतनाम की राजधानी नहींथी; यह एक पुरानीइच्छा थी, एक सपनाजिसे मैं वर्षों सेटाल रहा था। लोगकहते हैं कि हनोई पर्यटकों के लिए बहुत कुछ नहीं देता — लेकिन शायद मेरा मन भीड़-भाड़ वाले 'मस्ट-सी' शहरों से आगे, किसी अलग तरह की खामोशी और संस्कृति की तलाश में था। मैं हमेशा से 'ऑफबीट' यात्रा का पक्षधर रहा हूँ — और हनोई इसके लिए बिल्कुल सही था।

एयरपोर्ट से शहर तक: एक शांत शुरुआत

नोईबाई एयरपोर्ट से पुराने हनोई के दिल — ओल्ड क्वार्टर— तकजाने के लिए मैंने स्थानीय बस चुनी। सच कहूँ तो यह सफर मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा बेहतर निकला। बस साफ-सुथरी, आरामदायक और सबसे मजेदार बात — फ्रीवाई-फाई!

भारत में लोकल बस में बैठकर इंटरनेट चलाना अब भी कल्पना जैसा लगता है, लेकिन हनोई में यह रोज़मर्रा की बात है।

ओल्ड क्वार्टर (पुराना बाज़ार इलाका) डिस्ट्रिक्ट 1— एक अलग ही दुनिया

जैसेही बस ओल्ड क्वार्टर पहुँची, मुझे महसूस हुआकि यह इलाका हनोईकी धड़कन है। संकरी गलियाँ, लकड़ी की पुरानी खिड़कियाँ, छोटे-छोटे कैफ़े, हाथमें कॉफी पकड़े बैकपैकर्स... यह वह माहौल थाजो किसी भी यात्रीको अपनी ओर खींचलेता है।

District 1, जिसे बैकपैकर एरिया भी कहा जाता है, शहर का सबसे जीवंत हिस्सा है। रात के समय यह जगह मुंबई के किसी उन्नत नाइट-लाइफ़ कॉरिडोर जैसी लगती है—कई बार तो मुझे लगा कि काश मेरे शहर में भी ऐसा कोई इलाका होता।

रहना कहाँ?—*Mad Monkey Hostel* का अनोखा अनुभव

हनोई में मेरा पहला काम था एक सही ठिकाना ढूँढना। मैं पहुँचा मदमंकी हॉस्टल — एक अंतरराष्ट्रीय चेन जो अपने स्टाइल, माहौल और पार्टियों के लिए मशहूर है। शेयर्ड रूम, बेसिक प्राइवेसी और कॉम्प्लिमेंट्री ब्रेकफास्ट—सुनने में सस्ता लेकिनअनुभव में काफ़ी 'मैनेंज्ड'।

हॉस्टल का इको सिस्टम सीखने जैसा है, खासकर उन लोगों के लिए जो हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल इंडस्ट्री को समझना चाहते हैं।

हालाँकि, रात की पार्टीकुछ हद तक बंद दरवाजों के अंदर होती है—हॉस्टल के बाहर वालों के लिए खुली नहीं।लेकिन फिर भी माहौल जीवंत और दोस्ताना रहताहै।

जैसे ही सूरज डूबता है, *District 1* की *Beer Street* एक अलग रूप ले लेती है —लाइट्स, म्यूजिक, लोग, हँसी... यह रात का हनोई है, जो दिन की शांति से बिल्कुल अलग है।

हनोई एशिया के सबसे पुराने निरंतर आबाद शहरों में से एक है—इसकी स्थापना लगभग 1,000 साल पहले ली राजवंश के समय हुई थी।

हनोई का दिल: इतिहास और संस्कृति की मेरी खोज

Vietnamese Women's Museum – मेरी फिल्म की आत्मा से जुड़ा अनुभव

हनोई में मेरी 'मस्ट-विज़िट' सूची में पहला नाम था – वियतनामी विमेंस म्यूज़ियम।

मैं एक महिला-प्रधान भारतीय फिल्म बना रहा हूँ जिसमें इंडो-वियतनाम सांस्कृतिक सेतु भी शामिल है, इसलिए यह म्यूज़ियम सिर्फ़ एक यात्रा स्थान नहीं, बल्कि शोध और प्रेरणा का केंद्र था।

1995 में खुला यह चार मंज़िला म्यूज़ियम तीन स्थायी प्रदर्शनी खंडों–

·परिवार में महिलाएँ

·इतिहास में महिलाएँ

·महिलाओं का फ़ैशन

केज़रिए वियतनाम की 54 जातीय समुदायों की महिलाओं की कहानी बताता है–उनकी परंपराएँ, उनका संघर्ष, उनका योगदान।

हॉलवे से गुजरते हुए ऐसा लगा जैसे मैं किसी राष्ट्र की आत्मा को देख रहा हूँ, जो महिलाओं के योगदान पर खड़ी है।

यह म्यूज़ियम 'जेंडर इक्वलिटी' को एक ऐतिहासिक दृष्टि से समझाता है, और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देता है।

अगला पड़ाव था– (हो लो प्रिजन), जिसे अमेरिकी कैदियों ने व्यंग्य में " (हनोई हिल्टन)" नाम दिया था।

नाम सुनकर कोई पाँच-तारों वाले होटल की कल्पना कर सकता है, लेकिन सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है।

(हो लो) का असल मतलब होता है "फायरि फर्नेस" या "नरक का कुंड", यानी आग की भट्टी – और सचमुच यह जगह अपने नाम के अर्थ को सार्थक करती है।

यहाँ 20 फीट ऊँची दीवारें थीं, ऊपर कंटीले तार और टूटा हुआ शीशा लगाया गया था, ताकि भागना असंभव हो जाए। अंदर बदबूदार और बेहद अंधेरी कोठरियाँ थीं, जहाँ कैदी महीनों तक जंजीरों में बंधे रहते थे।

अमेरिकी युद्ध बंदियों ने इस पूरी जेल को अपने अनुभवों के आधार पर कई नाम दिए थे–

- (हार्टब्रेक होटल) - यानी टूटे दिलों का होटल
- (न्यू गाय विलेज) - नए कैदियों की बस्ती
- (लिटिल वेगस) - एक व्यंग्यात्मक नाम, क्योंकि इसमें मनोरंजन जैसा कुछ नहीं था

ये सभी हिस्से आज भी यहाँ संग्रहालय में उसी रूप में प्रदर्शित हैं।

यहाँ खड़े होकर ऐसा महसूस होता है जैसे समय रुक गया हो–जेल की दीवारें युद्ध के दर्द, अत्याचार और कैदियों की चीखों को अब भी समेटे हुए हैं। मानो इतिहास ने यहाँ अपना पूरा बोझ छोड़ दिया हो, और वह आज भी हवा में तैरता हो।

शहर का नक्शा: हर जगह पैदल पहुँचने वाला हनोई

हनोई की एक सबसे दिलचस्पबात है कि इसके प्रमुख स्थान एक-दूसरे सेबस 3-4 किलोमीटर के दायरे में हैं।

यानी आप चाहें तो पूरा शहर पैदल घूम सकते हैं–और शायद हनोई को महसूस करने का सबसे अच्छा तरीका भी यही है।

Hoan Kiem Lake – शहर की आत्मा थकान मिटानी हो, शांत बैठना हो या लोगों को देखना हो– Hoan Kiem Lake सबसे सुंदर जगहहै।

पन्ना-सी हरी झील, पुराने पेड़, मिथकों से भरा इतिहासऔर हर शाम का सौम्य माहौल...

कहते हैं कि यही वह जगह है जहाँ 15वीं सदी में राजा Lê Thái Tổ ने कछुआ देवता को जादुई तलवार लौटाई थी, और तबसे यह 'Hoan Kiem'–अर्थात रिटर्न्डस्वॉर्ड –कहलाया।

रातमें जब लाइट्स झील पर पड़ती हैं, हनोई एकशांत कविता में बदल जाताहै।

स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर — भारत की महक हनोई में
हनोई में भारतीय उपस्थिति को महसूस करने का सबसे अच्छा स्थान है
स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसीआर)।
मैंने यहाँ के डायरेक्टर डॉक्टर मोनिका शर्मा से मुलाकात की—
बिल्कुल वैसे ही जैसे भारत में रहते हुए दूरदर्शन प्लेटफॉर्म पर
मैंने कई आईसीसीआर कार्यक्रम कवर किए थे।
यह केंद्र वियतनाम में भारतीय कला, संगीत, योग और संस्कृति
का पुल जैसा काम करता है।

हनोई का शॉपिंग, रेलवे स्टेशन और वह हैरानी!
मेरीएक आदत है—नईशहरों में रेलवे स्टेशन ज़रूर देखता हूँ। और हनोई स्टेशन ने मुझे हैरान कर दिया।
साफ-सुथरा, शांत, बेहद आधुनिक और सबसे अनोखी बात—स्टेशन पर कोई भीड़ नहीं।लोग सिर्फ़ ट्रेन आने से कुछमिनट पहले प्लेटफॉर्म परआते हैं और ट्रेन के जाते ही गायब। यह भारतीय स्टेशनों की 24×7 भीड़ से बिल्कुलविपरीत अनुभव था।

हनोई को "झीलों का शहर" इसलिए कहा जाता है क्योंकि शहर में *30* से अधिक प्राकृतिक और मानव-निर्मित झीलें हैं—जिनमें होन कीएम झील, वेस्ट लेक और ट्रुक बाक झील सबसे प्रसिद्ध हैं।

हनोई दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाज़ारों में गिना जाता है—यहाँ प्राइम लोकेशन की कीमतें हर साल औसतन *5-7%* की दर से बढ़ रही हैं।

और आखिर में... हनोई क्या है?
हनोई कोई चमकदार महानगर नहीं।
यह एक शांत, धीमी, संवेदनशील राजधानी है—जहाँ इतिहास हर मोड़ पर मिलता है और संस्कृति आप की जेब में रखे नक्शे से भी ज्यादा गहरी है।
यह शहर अनुभवों से बुना हुआ है—कभी युद्ध की कहानियों से, कभी महिलाओं की भूमिका से, कभी झील की शांति से और कभी बैकपैकर की मस्ती से।
मेरी यात्रा का सार यही है—
हनोई देखनेके लिए नहीं, महसूस करने के लिए है।

हनोई से बाहर: *Bac Ninh* का ग्रामीण सौंदर्य
हनोई से दो घंटे की दूरी पर है *Bac Ninh*—जहाँ मुझे वियतनामी गाँवों की असली झलक मिली।
मेरी उम्मीदों के उलट, यह ग्रामीण इलाका किसी भी भारतीय कस्बे से कहीं अधिक विकसित, व्यवस्थित और स्वच्छ लगा।
कभी-कभी लगा कि वियतनाम के गाँव भी हमारे शहरों से अधिक उन्नत हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया की हाइकिंग दुनिया का बादशाह– कौन? जवाब चौंकाएगा

दक्षिण-पूर्व एशिया की बात चलती है तो दिमाग़ में सबसे पहले थाईलैंड के नीले समुद्र तट, जापान के प्राचीन कुमानो कोडो ट्रेल, या भूटान की हिमालयी चोटियाँ घूमने लगती हैं। लेकिन ताज़ा शोध ने एक ऐसा नाम सामने रखा है, जिसे सुनकर बहुत से यात्री हैरान रह जाएंगे—मलेशिया।

जी हाँ, वही मलेशिया जोअपनी गगनचुंबी इमारतों, समुद्री द्वीपों और नाइट मार्केट्स के लिए जाना जाता है, अब हाइकिंग के नक्शे पर दक्षिण-पूर्वएशिया का सबसे चमकता सितारा बन गया है।एक नए अध्ययन में पाया गया है कि टॉप 10 हाइकिंग ट्रेल्स में से 9 अकेले मलेशिया के पास हैं।

यह परिणाम ऑनलाइन टूर ऑपरेटर Exoticca.com द्वारा किए गए विश्लेषणसे सामने आए। अध्ययन में AllTrails के डेटा को 11 देशों—जैसे थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया और फ़िलिपींस—सेइकट्ठा किया गया था।रेटिंग, लोकप्रियता और सकारात्मक समीक्षाओं के आधार पर ट्रेल्स को रैंक किया गया और नतीजा स्पष्ट था—मलेशिया सबसे आगे।

Exoticca.com के एक प्रवक्ता ने बताया, “हाइकर्सउन ट्रेल्स को सबसे ज़्यादा पसंद करते हैं जो आसान पहुँच और प्राकृतिक सुंदरता का बेहतरीन मेल हों—और मलेशिया ठीक वही देता है।” अध्ययन में सबसे ऊपर रहा बुकितगासिंग सर्कुलर ट्रेल, जो कुआलालंपुर के पास एक 2.4-मील का जंगल लूपहै । ‘किलर स्टेयर्स’, हैंगिंगब्रिज और ऊँचे व्यूपॉइंट्स—यह ट्रेल शुरुआत करने वालों से लेकर मध्यमस्तर तक के हाइकर्स के लिए परफेक्ट है।

मलेशिया की हरियाली: जहाँ प्रकृति साँस लेती है

मलेशियाको यूँ ही 'ट्रॉपिकल पैराडाइज़' नहीं कहा जाता।इसकी पहचान और ताकत–दोनों इसके जंगलों में बसती है।घने वर्षावन, शांत झीलें, धुँध से भरे पहाड़ और दुर्लभ वनस्पतियाँ–मलेशिया की प्रकृति जितनी खूबसूरत है, उतनी ही प्राचीन भी।

तमन नेगारा, मलेशिया का 'नेशनल पार्क', दुनिया के सबसे पुराने वर्षा वनों में गिना जाताहै।

130 मिलियन वर्ष पुरानी यह हरी दुनिया तीन राज्यों–पाहांग, केलांतान और तेरेंग्गानु–में फैली हुई है। यहाँ कदम रखते ही ऐसा लगता है जैसे पृथ्वी के इतिहास की किसी शुरुआती पन्ने पर पहुँच गए हों।

इसके उलट, सबा में स्थित किनाबालू पार्क आपको एक दूसरी ही दुनिया में ले जाता है। मलेशिया की पहली UNESCO विश्वधरोहर, और माउंट किनाबालू का घर–जो दक्षिण एशिया की सबसे ऊँची चोटियों में गिना जाता है। यही वह जगह है जहाँ दुनिया की सबसे बड़ी फूल–रैफ़लेसिया–खिलती है।

और अगर कोई कम भीड़ वाली, पर उतनी ही मोहक जगह की तलाश करे तो बेलुम-तेमेंगोर वर्षा वन उसका जवाब है।उत्तरी पेराक का यह जंगल मलेशिया के सबसे बड़े और निरंतर फैले जंगल क्षेत्रों में से एक है।मलय टाइगर, सन बियर और कई दुर्लभ हॉर्नबिल पक्षी यहाँ आज भी प्राकृतिक तालमेल के साथ जीते हैं।

एक देश, सैकड़ों रास्ते–और हर रास्ते की एक कहानी

मलेशियाकी खूबसूरती सिर्फ उसके जंगलों मेंन हीं, बल्कि उसकी यात्रा संस्कृति में भी है।

यह देश प्रकृति कोबचाने की कोशिशों औरसस्टेनेबलटूरिज़्मको बढ़ावा देने के लिएलगातार पहचाना जा रहा है।जंगलों में कचरा न फैले, ट्रेल्स को नुकसान न पहुँचे, और स्थानीय समुदायों को रोज़गार मिले–ये सब इसके पर्यटन मॉडल की बुनियाद बन चुके हैं।

यही कारण है कि शुरुआती हाइकर्स से लेकर अनुभवी ट्रेकर्स तक–हर किसी को अपनी पसंद का रास्ता मिल जाता है।

शहरों के बीच बसे अर्बन फॉरेस्ट लूप्स, समुद्र किनारे के ट्रेल, पहाड़ी चोटियों तक ले जाने वाले रास्ते, बारिश में चमकते काई भरे पत्थर–हर ट्रेल मौसमऔर मूड के अनुसारअलग अनुभव देता है।

कब जाएँ? सबसे अच्छा मौसम कौन सा है?

हाइकिंगके लिए मलेशिया सालभर अच्छा है, लेकिन मार्च से सितंबर के महीने सबसे उपयुक्त माने जाते हैं।इन महीनों में बारिश कम होती है और ट्रेलअधिक सुरक्षित रहते हैं।

बरसात के मौसम–खासतौरपर नवंबर से जनवरी–मेंकुछ ऊँचे ट्रेल बंदहो जाते हैं, लेकिनजंगल ट्रेल का सौंदर्य इनमहीनों में अपने चरमपर होता है।

लंगकावी द्वीपसमूह में **99** छोटे-बड़े द्वीप हैं, जिन्हें **UNESCO** ने जियोपार्क का दर्जा दिया है।

रैफ़लेसिया–दुनिया का सबसे बड़ा फूल–मलेशिया में **1** मीटर तक व्यास का पाया जाता है।

बोर्नियो के जंगलों में **6,000** से अधिक पौधों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

मलेशिया का टूरिज़्म सेक्टर **4** मिलियन से अधिक लोगों को रोज़गार देता है।

मलेशिया हर साल करीब **20–25** मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करता है।

मलेशिया का बेलुम-तेमेंगोर वर्षावन दुनिया के दस सबसे जैव-विविधता वाले क्षेत्रों में शामिल है।

क्यों है यह खबर खास?

क्योंकियह कहानी सिर्फ हाइकिंग की नहीं है, बल्कि एक ऐसे देशकी है जिसने अपनीप्राकृतिक संपदा को सहेजते हुएयात्रियों के लिए दुनियाका दरवाज़ा खोला है। दक्षिण-पूर्व एशिया में पर्यटन कीभागदौड़ के बीच, मलेशियाने शांति से, बिना शोरकिए, अपनी पहचान बनाली है–एक हाइकिंग हब, एक इको-टूरिज़्म लीडर, और प्रकृति प्रेमियोंका नयापसंदीदादेश।

अगरदक्षिण-पूर्व एशिया आपका अगला ट्रैवलप्लान है, तो इसबार समुद्र तटों को कुछदेर के लिए भूलकरजंगल के रास्तों परनिकलिए।

शायद किसी मोड़ परआपको वो दृश्य मिलजाए, जिसकी तलाश में दुनियाघूमती रहती है–औरजो मलेशिया के दिल मेंचुपचाप आपका इंतज़ार कररहा है।

मंगोलिया: अनंत विस्तार

🌿 क्या देख सकते हैं — Mongolia की विविधता, प्रकृति और संस्कृति

Mongolia सिर्फ स्टेप्स या बढ़ती हुई हवा नहीं है; यह इतिहास, संस्कृति, प्रकृति और साहस का संगम है।
 खुले मैदानों में चरते घोड़े, ऊँचे पहाड़ों की ठंडी वादियाँ, बर्फ़ीले रेगिस्तान, झीलें, Nomadic परिवार, युर्ट-कैम्प, स्थानीय संगीत, पारंपरिक व्यंजन — हर मोड़ पर कुछ नया मिलेगा।
अगर आप शहरों से दूर, भीड़ से दूर, और बिजली, शोर-शराबा, कार्य-दबाव से दूर जाना चाहते हैं — तो यहाँ का Nomadic जीवन आपको अपनी झोली खोलकर बुलाएगा।
बहुत से विदेशी यात्री, खासकर चीन, रूस और दक्षिण कोरिया से, अब Mongolia को सिर्फ छुट्टियों के लिए नहीं बल्कि आत्मा की तलाश, ठहराव, और नई सोच के लिए चुन रहे हैं।

चीन–रूस सीमा के पास फैली शांति और विरासत से घिरी एक धरती है — Mongolia। उस विशाल मैदान में, जहाँ आसमान ज़मीन से मिलते–लगते दिखते हैं, और हवा में घास की गंध और घोड़ों की खुरों की आवाज़ है। 2025 में Mongolia ने फिर साबित कर दिया है कि यह सिर्फ इतिहास या कहानियों का देश नहीं — बल्कि अब तीव्र रूप से बढ़ता हुआ पर्यटन केंद्र है।

🛫 पर्यटकों की बढ़ती संख्या — एक नई शुरुआत

आज से कुछ साल पहले Mongolia की यात्रा के मतलब थे—घूमंतू जीवन, शांति, और कुछ अलग अनुभव। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। 2024 में देश में लगभग ८.०८ लाख विदेशी पर्यटक आए — जो अब तक का उच्चतम आंकड़ा था।
 और 2025 में यह रुझान और तीव्र हुआ: सितंबर तक लगभग छह लाख से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय यात्रियों ने Mongolia का रुख किया।
सरकार की योजना है कि 2030 तक हर साल २० लाख से अधिक पर्यटक Mongolia आएँ — ताकि पर्यटन अब केवल मनोरंजन न रहे, बल्कि देश की आर्थिक पारी का एक मजबूत स्तंभ बने।

🏜️ क्यों बढ़ रही है Mongolia की खींच — विशाल प्रकृति, Nomadic संस्कृति और चार मौसमों का आमंत्रण

Mongolia की खूबसूरती उसकी विशालता में है। खुला आकाश, अनंत घास के मैदान (स्टेप्स), हज़ार-हज़ार साल पुरानी Nomadic जीवन शैली, झोरों पर चलती युर्ट (Ger), और उस पारंपरिक साधारण जीवन की सादगी — ये सब पश्चिमी दुनिया की हलचल और शोर से बिल्कुल अलग अनुभव देते हैं।
सरकार ने “Go Mongolia” अभियान के तहत देश को चार-ऋतुओं वाला पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में काम किया है। अर्थव्यवस्था को खनिज-निर्मित पर निर्भरता से हटाकर, पर्यटन-आधारित आय में बदलने का संकल्प लिया गया है।
इस बदलाव की शुरुआत भी दिखाई दे चुकी है: अब केवल गर्मियों तक सीमित न होकर, सर्दी में भी देश सील नहीं रहता — पर्यटक चारों मौसम में आते हैं, सर्दियों की बर्फ़, गर्मियों की हरी धरणी, पतझड़ों की धूल, और वसंत की ठंडी हवा — हर मौसम में अलग रंग, अलग अनुभव।

डेनमार्क: सौम्य पर्यटन कथा

यूरोप की यात्रा का ज़िक्र आते ही दिमाग में सबसे पहले कोपेनहेगन की नहरें, रंगीन बिल्डिंगें और हंस क्रिश्चियन एंडरसन की परियाँ जीवित हो उठती हैं। लेकिन 2024–25 ने एक अलग कहानी लिखी है—डेनमार्क अब सिर्फ बड़े शहरों का देश नहीं रहा, बल्कि यह अपने शांत छोटे कस्बों, ग्रामीण जीवन और सस्टेनेबल टूरिज़्म के कारण फिर से चर्चा में है। नई रिपोर्टों में यह बात साफ दिखाई देती है कि डेनमार्क ने पिछले साल पर्यटन का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। होटल हो या छुट्टी-घरों (holiday homes) में रुकने वाले लोग—रात भर ठहरने वालों की संख्या ने अब तक का उच्चतम स्तर छू लिया है।

डेनमार्क सरकार ने 2030 तक पर्यटन क्षेत्र से होने वाली कमाई को 200 अरब डैनिश क्रोनर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है—और जिस रफ्तार से बदलाव आ रहा है, यह लक्ष्य अब कोई दूर की बात नहीं लगता। दिलचस्प बात यह है कि यह बढ़त सिर्फ बड़े शहरों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे शहरों में भी देखी जा रही है जिनके बारे में अंतरराष्ट्रीय यात्री पहले बहुत कम जानते थे।

इस बदलाव की सबसे खूबसूरत मिसाल है—Odense।

एक शांत, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, बेहद व्यवस्थित शहर—जिसने 2025 की गर्मियों में पर्यटकों के बीच सबसे तेजी से लोकप्रियता हासिल की। गर्मी के मौसम में यहाँ लगभग 2.16 लाख पर्यटक रात भर ठहरे, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 6.9% की ज़बरदस्त वृद्धि है। यह महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि यह दर्शाता है कि आज का यात्री भीड़ और भागदौड़ वाले पर्यटन से दूर, कुछ अधिक वास्तविक और शांत अनुभव चाहता है।

Odense में आपको बड़े शहरों वाली चकाचौंध नहीं मिलेगी, लेकिन मिलेगा—सच्चा डेनिश जीवन। यहाँ संकरी गलियाँ, कला-दीर्घाएँ, स्थानीय कैफे, खुले पार्क, साइकिल चलाते लोग और साहित्य की सुगंध एक साथ मिलकर एक अनोखा अनुभव तैयार करते हैं।

यह वही शहर है जहाँ परियों की दुनिया के जनक, हंस क्रिश्चियन एंडरसन का जन्म हुआ था—यानी वह मिट्टी जहाँ से कहानियाँ खुद जन्म लेती हैं।

सस्टेनेबल टूरिज़्म की बात करें तो डेनमार्क अब यूरोप के सबसे जागरूक पर्यटन देशों में गिना जाता है। यहाँ पर्यटन सिर्फ “देखने” के लिए नहीं, बल्कि “बिना नुकसान पहुँचाए अनुभव करने” की अवधारणा पर आगे बढ़ रहा है। छुट्टी-घरों (holiday homes) की बढ़ती लोकप्रियता इसका प्रमाण है—जहाँ पर्यटक समुद्र के किनारे, जंगलों के करीब या शांत गाँवों में रहकर स्थानीय जीवन का मज़ा लेते हैं।

यह वही रुझान है जो अब दुनियाभर में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

डेनमार्क की विशेषता यह भी है कि यहाँ का पर्यटन “धीमा” है—यानी यहाँ आने वाले लोग भागदौड़ नहीं, बल्कि गहराई से अनुभव करते हैं। वे सिर्फ देखने नहीं आते, महसूस करने आते हैं। शायद यही कारण है कि डेनमार्क धीरे-धीरे एक ऐसा देश बन रहा है जहाँ यात्री सुंदरता के साथ—शांति, संस्कृति, प्रकृति और सादगी का संगम तलाशने आते हैं।

आज जब दुनिया “ओवर-टूरिज़्म” की समस्या से जूझ रही है, डेनमार्क ने एक नई दिशा दिखाई है—
बड़े शहरों से हटकर, छोटे शहर भी पर्यटन का भविष्य हो सकते हैं।

विएतनाम यात्रा तस्वीरों में

1 इंडिपेंडेंस पैलेस, हो चिन्ह मिन्ह

2 चुआ दाओ पैगोडा

3 राष्ट्रपति का मर्सिडेस

4 हा लाग बे

5 एग नोड्ल और कॉफी

6 टेक्सास चिकन, हो चिन्ह मिन्ह

New name, bigger horizon

Asatya Bharat is now

step to world with BRC

YOUR WINDOW TO

Tourism

Current affairs

Economics

Watch us on Instagram (Yatramantran) and YouTube (Step to World) for authentic research and sharp analysis

yatraamantran@gmail.com

For more information visit:
www.yatramantran.com
www.willindiachange.org